transferred to Hyderabad. Sir, it was under the instructions from the Finance Minister himself. I repeat it again. And one Member of the Board repeatedly telephoned and telexed from here to Mr. Ghosh, the Deputy Collector in Ahmedabad to release the diamond, and the Enforcement Officer who was responsible for the seizure of this diamond was also threatened by the Minister himself. I would like to know specifically from the hon. Minister why this diamond was released and was it only because it belonged to a relative of the Janata Party President there. I would also like to know how the unclaimed diamonds were released to the parties, to whom they were released and under what rules.

SHRI H. M. PATEL: I think, the hon. Member has said nothing but a tissue of lies.

SHRI YOGENDRA MAKWANA.- It is not a lie. It is a fact. I am prepared to prove it.

MR. CHAIRMAN; Shri Laksh-manan.

SHRI YOGENDRA MAKWANA: What about the unclaimed diamonds?

SHRI G. LAKSHMANAN.- May I know from the... *(Interruptions).* May I know whether the smuggling business has thrived under the Congress regime or under the Janata regime? I want to know this because the smuggled goods are being sold to the public. The Congress Government would have als,o recovered money and you also would have recovered money. I want to know whether the money recovered by your regime was more or less than the money recovered by the Congress regime that is the Government of India smuggling business.

SHRI SATISH AGARWAL: The Government of India does no smuggling business.

SHRI G. LAKSHMANAN: I want to know whether the money recovered was more by the Congress and less by the Janata or less by the Congress and more by the Janata.

MR. CHAIRMAN; He will have to study.

SHRI SATISH AGARWAL; At the moment, I have no balance-sheets.

MR. CHAIRMAN; Next Question.

मास्को में औद्योगिक प्रदर्शनी में शामिल होने वाली भारतीय फर्में

*485. श्री कलराज मिश्र :
श्री हरिशंकर भाभड़ा : †
श्री जगदीश प्रसाद माथुर :

क्या **वाणिज्य, नागरिक पूर्ति और सहकारिता** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि मास्को में 1 अगस्त, 1978 से एक औद्योगिक प्रदर्शनी होने वाली है;

(ख) यदि हां, तो उन भारतीय फर्मों के नाम क्या हैं जिन्हें इस प्रदर्शनी में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया है और उनमें से किन-किन फर्मों ने आमंत्रण स्वीकार कर लिया है; और

(ग) इन भाग लेने वालों का चयन किस आधार पर किया गया है ?

$ [Participation by Indian firms in the Industrial Exhibition in Moscow

♦485. SHRI KALRAJ MISHRA; SHRI HARISHANKAR BHABHDA:f SHRI JAGDISH PRASAD MATHUR:

†The question was actually asked on the floor of the House by Shri Hari Shankar Blabhada.

t [ ] English translation.

Will the Minister of COMMERCE, CIVIL SUPPLIES AND COOPERATION be pleased to state;

(a) whether it is a fact that an industrial exhibition is going to be held in Moscow from the 1st August, 1978;

(b) if so, what are the names of the Indian firms which have been invited to participate in the exhibition and which firms out of these have accepted the invitation; and

(c) what is the basis of selection of the participants?].

वाणिज्य, नागरिक पूर्ति और सहकारिता मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री आरिफ बेग) : (क) जी हां। मास्को में एक भारतीय राष्ट्रीय प्रदर्शनी 1 अगस्त से 30 अगस्त, 1978 तक आयोजित की जा रही है।

(ख) जिन संगठनों को भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया था और जो प्रदर्शनी भाग लेने के लिए राजी हो गये हैं, उनके नामों की पुस्तिका संसद पुस्तकालय में रख दी गई है।

(ग) उत्पादों/भाग लेने वालों का चयन और अनुमोदन इस आधार पर किया गया था कि सोवियत संघ के साथ वर्तमान व्यापार का स्वरूप क्या है और कौन कौन से भारतीय माल के सोवियत संघ के बाजार में खपने की सम्भावना हो सकती है। भाग लेने वालों का चयन भारत-सोवियत संघ व्यापार में रुचि रखने वाले सभी बड़े उपक्रमों को आमंत्रित करने के बाद किया गया है।

t[THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF COMMERCE, CIVIL SUPPLIES AND COOPERATION (SHRI ARIF BAIG); (a) Yes, Sir. An Indian National Exhibition is being held at Moscow $rom 1st August to 30th August, 1978.

(b) A booklet containing names of the organisations which were invited to participate, and who had agreed to participate in the Exhibition has been placed in the Parliament Library.

(c) Products/participants were identified and approved on the basis of the existing trading pattern with Soviet Union, and Indian merchandise which could have a potential in the USSR market. Selection of participants has been made after inviting all major undertakings interested in the Indo-USSR trade.]

श्री हरिशंकर भाभड़ा : सभापति महोदय, मैं मंत्री महोदय से यह पूछना चाहता हूं कि इस प्रदर्शनी के आयोजन में कितने रुपये व्यय के लिए निर्धारित किये गये हैं और इस प्रदर्शनी में कितने सार्वजनिक क्षेत्र की फर्म्स तथा कितनी व्यक्तिगत क्षेत्र की फर्म्स भाग ले रही हैं ?

श्री आरिफ बेग : सभापति महोदय, इस प्रदर्शनी के लिए जो बजट रखा गया है वह रुपये 1.97 करोड़ है। इस प्रदर्शनी में भाग लेने के लिए लगभग 368 ऐसी फर्म्स हैं जो इसमें भाग ले रही हैं तथा इसमें दोनों सेक्टर प्राईवेट सेक्टर तथा पब्लिक सेक्टर दोनों शामिल हैं।

श्री हरिशंकर भाभड़ा : सभापति महोदय, मैंने इस संबंध में अलग अलग संख्या के बारे में पूछा है। लेकिन मेरा सेकिन्ड सप्लीमेंटरी सवाल यह है कि इस आयोजन के पहले जितनी और अन्तर्राष्ट्रीय प्रदर्शनियां की गयी हैं उसमें आन द स्पाट कितने रुपये का माल बिका, कितना लाभ केन्द्र सरकार को हुआ और इस प्रकार की प्रदर्शनियों के आयोजन के लिए क्या कोई मापदण्ड सरकार की तरफ से किया हुआ है या नहीं, अगर है तो वह क्या है ?

श्री आरिफ बेग : सभापति महोदय, जैसा कि पहले सदस्य महोदय ने पूछा कि इसमें प्राईवेट सेक्टर और पब्लिक सेक्टर की संस्थाएं कौन कौन थी तो इस समय इसकी अलग अलग

f [ ]English translation.

जानकारी देना संभव नहीं है । लेकिन अध्यक्ष महोदय, मैं यह बताता हूं कि इससे पहले जितनी प्रदर्शनियां हुई हैं उसमें अपने व्यापार की वृद्धि का पूरा पूरा यकीन था और वह हुआ है । जहां तक इस प्रदर्शनी के अन्दर व्यापार का सम्बन्ध है इस समय मेरे लिये कुछ कहना कठिन है । लेकिन मैं इतना जरुर कहता हूं कि हर प्रदर्शनी के अन्दर बहुत बड़ी मात्रा में व्यापार होता है । प्रदर्शनियों से हमारे भारत के व्यापार को बहुत तरक्की मिलती है और हम अपने माल को विदेशों के अन्दर प्रचलित कर सकते हैं और लोगों को बता सकते हैं कि हम किन किन क्षेत्रों में आगे बढ़े हैं और क्या-क्या हमने हासिल किया है ।

MR. CHAIRMAN; The Question Hour is over.

SHRI JAGDISH PRASAD MATHUR; Sir, my name is there. I want to ask only one question.

MR. CHAIRMAN: The Question Hour is over, what can I do?

SHRI JAGDISH PRASAD MATHUR: Sir, at times you have allowed Members even fifteen minutes after the Question Hour to put questions. I want to ask just one question.

MR. CHAIRMAN; All right.

श्री जगदीश प्रसाद माथुर : मैं मंत्री महोदय से पूछना चाहता हूं कि साम्यवादी देशों में जितने भी हमारे अधिकारी मेले में गये हैं, उनके घूमने-फिरने पर क्या कोई प्रतिबन्ध होता है, या जो साम्यवादी देशों के दूतावास हैं उनके साथ व्यापारिक सम्बन्ध स्थापित करके मेले में माल बेचने के लिए कोई प्रतिबन्ध, रुकावट है या नहीं, या स्वतन्त्र रूप से घूम सकते हैं ?

श्री मोहन धारिया : उनको पूरी सुविधा सोवियत सरकार ने दी है ।

MR. CHAIRMAN; The question hour is over.

SHORT NOTICE QUESTION AND ANSWER

12 NOON

Rise in prices of industrial goods and agricultural 'commodities

1. SHRI KALP NATH RAI; Will the Minister of COMMERCE, CIVIL SUPPLIES AND COOPERATION be: pleased to state;

(a) the corresponding prices of textiles, building material, automobiles and agricultural commodities namely, wheat, rice, pulses and edible oils during each month from the 15th July, 1977 to the 15th July, 1978;

(b) whether there was any rise in the prices of these goods during the above period; and

(c) if so, what steps Government have taken and propose to take to-check the rising trend in prices?

वाणिज्य, नागरिक पूर्ति और सहकारिता मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री कृष्ण कुमार गोयल): एक विवरण सभा पटल पर रखा जाता है ।

विवरण

(क) 15 जुलाई, 1977 से वस्त्र, भवन निर्माण सामग्री, आटोमोबाइल्स, गेहूं, चावल, दालों तथा खाद्य तेलों के थोक मूल्य सूचकांकों में हुए उतार चढ़ाव अनुबंध में दिये गये हैं । [See Appendix CVI Annexure] No. 81

(ख) 15 जुलाई, 1977 से 15 जुलाई, 1978 की अवधि के दौरान ऊपर (क) में दी गई वस्तुओं के मूल्यों में मिला जुला रुख रहा । कुछ वस्तुओं के मूल्यों में